जब हम प्रेरितों के काम की पुस्तक को पढ़ते हैं, तो हम देखते हैं कि यह प्रभु के प्रेरितों के वीरतापूर्ण कार्यों के बारे में बताती है — कि कैसे उन्होंने पूरे संसार में मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए परिश्रम किया। लेकिन इसके साथ ही, बाइबल हमें यह भी दिखाती है कि अपने सेवकाई के दौरान उनसे कुछ गलतियाँ भी हुईं। और परमेश्वर ने यह इसलिए लिखने दिया ताकि हम उनसे सीख सकें और उन्हीं गलतियों को अपनी सेवकाई में न दोहराएँ।

यदि आप बाइबल के अच्छे पाठक हैं, तो आपको याद होगा कि एक समय था जब प्रेरित पतरस विश्वास की उस नींव से थोड़ा डगमगाए, जो मसीह ने उन्हें दी थी। उन्होंने अन्यजातियों से ऐसी बातें करने को कहा, जो सही नहीं थीं — और यह जानते हुए भी कि वह जो कर रहे हैं वह ठीक नहीं है, फिर भी उन्होंने यहूदियों को प्रसन्न करने के लिए कपट से ऐसा किया।

जब प्रेरित पौलुस ने यह देखा, तो उन्होंने पतरस का सबके सामने विरोध किया। आइए पढ़ते हैं:

गलातियों 2:11–13 (Hindi Bible):
“परन्तु जब कैफा अन्ताकिया में आया, तो मैंने उस से उसके

मुंह पर विरोध किया, क्योंकि वह दोषी ठहरा था। क्योंकि
याकूब के लोगों के आने से पहले वह अन्यजातियों के साथ खाता था; परन्तु जब वे आए, तो वह पीछे हट गया और अलग हो गया, इस डर
से कि कहीं खतना वालों में से कोई उसे दोषी न ठहराए। और उसके साथ और भी यहूदी कपट करने लगे, यहां तक कि बरनाबास भी उनके
कपट में बहक गया।”

यहाँ तक कि बरनाबास भी??

पौलुस बरनाबास को लेकर इतने हैरान क्यों थे?

बाइबल में हम पढ़ते हैं कि बरनाबास एक विशिष्ट आत्मिक वरदानों वाला प्रेरित था। उसे “शांतवन का पुत्र” कहा गया (प्रेरितों के काम 4:36)। वह केवल भाइयों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे मसीही कलीसिया के लिए एक प्रोत्साहन और आशा का स्रोत था। आरंभ में ही उसने अपनी ज़मीन बेच दी और वह धन प्रेरितों के चरणों में रखा, ताकि कलीसिया की सेवा हो सके (प्रेरितों 4:36–37)।

जब पौलुस नए-नए मसीही बने थे और कलीसिया उन्हें उनके भूतकाल के कारण स्वीकार नहीं कर रही थी, तो बरनाबास ही वह व्यक्ति था जो उन्हें प्रेरितों के पास लेकर गया और उनकी सिफारिश की। बाइबल कहती है कि वह पवित्र आत्मा से परिपूर्ण था, और जहाँ भी जाता,

वहाँ कलीसिया की पुष्टि करता।

फिर बाद में, वह पौलुस को तर्सुस से लाया ताकि वे अन्ताकिया में साथ सेवा करें (प्रेरितों 11:25)। बाद में जब वे सुसमाचार की यात्रा पर थे, तो वे एक युवक मरकुस को साथ ले गए। लेकिन वह यात्रा पूरी किए बिना बीच में लौट गया। इसने पौलुस को अप्रसन्न किया। अगली यात्रा पर पौलुस ने मरकुस को साथ ले जाने से मना कर दिया — पर बरनाबास ने उसे नहीं छोड़ा।

और यह वही मरकुस था जो बाद में आत्मिक रूप से दृढ़ हुआ, और अंततः उसने मरकुस रचित सुसमाचार लिखा! बाद में पौलुस स्वयं कहता है:

2 तीमुथियुस 4:11:
“मरकुस को साथ ले आना, क्योंकि वह सेवा के लिये मेरे योग्य
है।”

कल्पना कीजिए, यदि बरनाबास ने मरकुस को छोड़ दिया होता — क्या हमें आज वह अमूल्य सुसमाचार मिलता? और यदि उसने पौलुस को तर्सुस में ही छोड़ दिया होता, या आरंभ में उसकी सिफारिश नहीं की होती — तो क्या पौलुस का सुसमाचार अन्यजातियों तक पहुँचता?

बरनाबास ने अपने जीवन को पूर्णतः प्रभु की सेवा में समर्पित किया था। विवाह या व्यक्तिगत सुविधाएँ उसके लिए मायने नहीं रखती थीं। वह यहूदियों के कानूनों से पीड़ित मसीही विश्वासियों को दृढ़ करता था। जहाँ भी जाता, वहाँ उसकी शिक्षा और उपस्थिति से कलीसिया को नया जीवन मिलता।

इसीलिए पौलुस के लिए वह एक आत्मिक साथी था — सेवकाई में बहुत आवश्यक। वह जानता था, जहाँ बरनाबास रहेगा, वहाँ सब कुछ ठीक रहेगा।

लेकिन अब?

अब वह देख रहा है कि बरनाबास — वही बरनाबास — पतरस की कपटता में बहक गया है।

“यहाँ तक कि बरनाबास भी उनके कपट में बहक गया?” (गलातियों 2:13)

पौलुस जैसे पूछ रहा हो: “तुम्हें क्या हो गया है, बरनाबास? तुम जिनका ढाँढ़स बंधाते थे, आज उनके लिए ठोकर बन गए हो?”

तो आज यह हमें क्या सिखाता है?

बाइबल हमें चेतावनी देती है:

प्रकाशितवाक्य 3:11:
“देख, मैं शीघ्र आनेवाला हूं; जो कुछ तुझ में है, उसे थामें
रह, ऐसा न हो कि कोई तेरा मुकुट छीन ले।”

हमने जो आत्मिक परिश्रम किया है, और जो वरदान परमेश्वर ने हमें दिए हैं — उन्हें किसी मनुष्य के कारण मिटने न दें, चाहे वह कोई अगुवा हो, पास्टर हो, बिशप हो, या कोई और प्रभावशाली व्यक्ति।

ध्यान रखें — आपका मुकुट शैतान ही नहीं, कोई इंसान भी छीन सकता है।

यदि परमेश्वर ने आपको चंगाई की वरदान दी है — और आपके द्वारा लोग चंगे होते थे — लेकिन आपकी कलीसिया कहती है कि आज के युग में चंगाई नहीं होती, और आप डरकर उस वरदान को दबा देते हैं — तो परमेश्वर आपसे पूछ रहा है:

“क्या तुम भी उनके कपट में बहक गए हो?”

यदि आपको अन्य भाषाओं में बोलने का वरदान मिला है, लेकिन आपकी मंडली यह नहीं मानती, और आप चुप रहते हैं — सिर्फ इसलिए कि लोग बुरा न मानें — तो प्रभु पूछता है:
“क्या तुम भी उनके कपट में बहक गए हो?”

अगर आपके दिल में आत्मा प्रार्थना करने के लिए प्रेरित करता है, पर आपकी मंडली सिर्फ परंपरागत लिटर्जी पढ़ती है और आप वहीं रुके रहते हैं — जानते हुए भी कि यह ठीक नहीं — तो पवित्र आत्मा पूछता है:
“क्या तुम भी उनके कपट में बहक गए हो?”

यदि आप जानते हैं कि आपको उद्धार की ज़रूरत है, आपको यीशु की आवश्यकता है, लेकिन आपके पादरी कहते हैं कि प्रत्यार्पण और पवित्र भोज ही पर्याप्त है — और आप उनकी बातों को मानकर चुपचाप आत्मिक रूप से गिरते जा रहे हैं — तो परमेश्वर आज कहता है: “क्या तुम भी उनके कपट में बहकने जा रहे हो?”

वहाँ से बाहर आओ!
अपने आप को मसीह को सौंपो।

उसके वचन के अनुसार जीवन जीना शुरू करो।
ताकि वह तुम्हें अपनी इच्छा के अनुसार उपयोग करे — और तुम्हारा मुकुट कोई और न छीन ले।

याद रखो — जो तुम्हारा मुकुट छीन सकता है, वह कोई स्वर्गदूत या शैतान नहीं — बल्कि एक मनुष्य है।

प्रकाशितवाक्य 3:11:
“देख, मैं शीघ्र आनेवाला हूं; जो कुछ तुझ में है, उसे थामें
रह, ऐसा न हो कि कोई तेरा मुकुट छीन ले।”

परमेश्वर तुम्हें बहुतायत से आशीष दे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp